पूरे जनपद में हल्लाबोल, लो

मांगों को लेकर राज्य कर्मचारी रहे हड़ताल पर, बसों का संचालन बंद होने से यात्रि

हड़ताल के चलते बैंकों में कामकाज रहा ठप

चांदपुर : ट्रेड यूनियनों की हड़ताल के चलते परिवहन निगम कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से रोडवेज बसें सड़कों पर दिखाई नहीं दी वहीं हड़ताल के चलते बैंकों में भी कामकाज ठप होकर रह गया। हड़ताल के चलते क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेड यूनियनों द्वारा पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली तथा 18 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन लागू किये जाने की मांग को लेकर हड़ताल का ऐलान किया गया था। हड़ताली कर्मचारी राज्य में ठेका प्रथा बंद कर कर्मचारियों को नियमित किये जाने तथा केंद्र व राज्यों में खाली पड़े पदों पर नये कर्मचारियों की तैनाती किये जाने की मांग कर रहे थे। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शुक्रवार को सड़कों पर रोडवेज की बसें दिखाई नहीं दी वहीं बैंकों में भी कामकाज ठप रहा जिसके चलते बैंक आये ग्राहकों वापस लौटने को मजबूर होना पड़ा।

बिजनौर के कलक्ट्रेट में धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

■ छाया : जनवाणी

बिजनौर के बीएसएनएल कार्यालय में धरना देते कर्मचारी।

जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय हड़ताल कर किया कार्य बहिष्कार

डीएम को सौंपा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन

देशभर में दस मजदूर संगठनों के आह्वान पर हड़ताल का खासा असर, जनता हलकान

● जनवाणी टीम, बिजनौर

राज्य कर्मचारियों ने अपनी अनेक मांगों को लेकर जनपद मुख्यालय पर कार्यबहिष्कार कर एक दिवसीय हड़ताल रखी। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन डीएम को भी सौंपा। आंगनबाड़ी संघ, रोडवेज संघ, राज्यकर्मचारी आदि कई संगठनों ने एक दिवसीय हड़ताल रखी।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की ओर से अनेक मांगों को लेकर एक दिवसीय कार्यबहिष्कार कर हड़ताल की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन डीएम को सौंपा गया। शुक्रवार को महिला आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर कलक्ट्रेट में धरना दिया। इस दौरान एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित डीएम कलेक्ट्रेट को भी सौंपा गया। जिसमें कहा गया कि एक मई 2012 को प्रदेश की कोर्डिनेशन लखनऊ में विभाग [illegible] में 17 सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया था। [illegible] पर सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा घोषित मानदेय देने के अतिरिक्त हमारी किसी भी मांग को पूरा नहीं किया गया। इसके बाद कई बार धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिये गए। इसके बाद भी आंगनबाड़ियों की एक भी मांग पूरी नहीं कर गई। धरना देने वालों में जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा, अनिता, कामेश, सरोज, विजय लक्ष्मी, प्रतिभा, सीमा चौधरी, मनीषा, सरिता, शशिबाला, सुधा, जकिया, अमरेश देवी आदि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां मौजूद रहीं।

बीएसएनएल कर्मचारियों का संयुक्त मोर्चा द्वारा केंद्रीय आह्वान पर 12 मांगों को लेकर हड़ताल रखी। हड़ताल के दौरान महंगाई पर नियंत्रण के लिए शीघ्र कदम उठाने, रोजगार पैदा करके बेरोजगारी पर काबू पाने, श्रम कानूनों के उल्लंघन के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने सहित अनेक मांगें रखी गईं। हड़ताल में प्रदीप भटनागर, सुरेशपाल सिंह, अजयपाल सिंह, एसके गुप्ता, राजवीर सिंह, लोकेंद्र सिंह, विनोद कुमार, अमीचंद, उदयभान, देवेंद्र सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की ओर से प्रांतीय आह्वान पर संगठन की 22 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को हड़ताल पर रहे। इस दौरान बीएसए कार्यालय पर धरना दिया गया। जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने धरने को संबोधित करते हुए मांगें पूरी न होने पर जनपद के समस्त कार्यालयों में तालाबंदी करने का ऐलान किया। धरने में बाबूराम, प्रदीप वर्मा, नीरज गुप्ता, हरिओम वर्मा, संदीप गहलौत, प्रताप सिंह, हरि सिंह, पंकज कुमार, क्रांति कुमार आदि मौजूद रहे।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर कार्यबहिष्कार कर राज्य कर्मचारी पूर्ण रूप से हड़ताल पर रहे। शुक्रवार को राज्य कर्मचारियों ने अनेक मांगों को लेकर परिषद कार्यालय पर हड़ताल सभा का आयोजन किया। हड़ताल सभा को संबोधित करते हुए अर्जुन सिंह जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट में कर्मचारियों के साथ भेदभाव पूर्ण न्याय किया गया है।

इसमें ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों व उच्चाधिकारियों के वेतन में भारी असमानता करते हुए अंतरण रखा गया है। जबकि संगठनों की मांग थी कि वेतन में अंतर का अनुपात 1:8 रखा जाए। न्यूनतम वेतन व अधिकतम वेतन में भारी अंतर करके केंद्र सरकार ने कर्मचारी विरोधी होने का सबूत दिया है। सभा को गजेंद्र कुमार शर्मा, शूरवीर सिंह, देशराज सिंह, संजय शर्मा, कामेंद्र विश्नोई, जगदीश सिंह, जितेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, प्रबोध रंजन, राजवी[र] सिंह, जयवीर सिंह, सुधीर कुमार, अशो[क] यादव, आशीष कुमार आदि ने पुरानी पेंश[न] बहाली की मांग की।

बिजनौर जिला अस्पताल में एक दिवसीय ह[ड़ताल]

[illegible] कर्मचारी विरोधी नीतियों पर एक [illegible] कर्मियों की एक दिवसीय हड़ताल का नगीन[ा] में मिलाजुला असर नजर आया। हड़ताल के कारण राष्ट्रीय कृत बैंकों में काम न[हीं]

दोपहर तक हड़ताल पर रहे

बिजनौर/नजीबाबाद: अनेक मांगों को लेकर राज्यकर्मचारियों के साथ रोडवेज कर्मियों ने भी